

LOK SABHA

Wednesday, 4th April, 1956

The Lok Sabha met at Half Past Ten of the Clock

[MR. SPEAKER in the Chair]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

तांबा

११५०. श्री भक्त बर्शन : क्या प्राकृतिक संसाधन और वैज्ञानिक गवेषणा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश के विभिन्न भागों में तांबे की खानों का पता लगाने के लिये भूतत्ववीय सर्वेक्षण किया जा रहा है ; और

(ख) यदि हां, तो किन किन स्थानों में तांबे के निक्षेपों के विद्यमान होने की संभावना है ?

प्राकृतिक संसाधन मंत्री (श्री के० डी० मालवीय) : (क) जी हां ।

(ख) (१) पश्चिमी बंगाल में दार्जिलिंग तथा जलपाईगुरी जिले (२) बिहार में हजारीबाग तथा सिधभूम जिले (३) मध्य प्रदेश में बालघाट, जबलपुर तथा सागर जिले (४) राजस्थान में खेतरी तथा दरीवो (५) जिला करनल में गनी, आन्द्रा में अनन्तपुर तथा नैलौर जिले (६) मेसूर में चितलदूर्ग (७) उत्तर प्रदेश में अलमोड़ा तथा गढ़वाल (८) बम्बई में चोटीडपुर (९) सिक्कीम में रंगपो (१०) मध्य भारत में इन्दौर (११) पंजाब में कुल्लू (१२) आसाम में अबोर की पहाड़िया तथा (१३) विध्य प्रदेश में रीवा तथा (१४) मनीपुर ।

श्री भक्त बर्शन : क्या गवर्नमेंट के ध्यान में यह बात आयी है कि इनमें से बहुत सी तांबे की खानों में, जैसा कि अभी मंत्री महोदय ने

गढ़वाल का जिक्र किया, सैकड़ों वर्ष पहिले खुदायी होती थी और अब वह बेकार पड़ी हुई है । ऐसी खानों में खुदायी करने के लिये कौन से विशेष कदम उठाये जा रह है ?

श्री के० डी० मालवीय : जिन खानों से सैकड़ों वर्ष पहिले तांबा निकाला जाता था अब भी उनसे इकानामिक ढंग से तांबा निकाला जा सकता है यह एक बहुत संदेहजनक बात हो गई है । आजकल तांबा निकालने के अधुनिक ढंग निकल आये है और तांबा ऐसे दाम पर बिकता है कि इन खानों से निकाला हुआ तांबा उसके कम्पिटेशन में नहीं आ सकता । लेकिन फिर भी इस मामले पर गौर हो रहा है और अगर खान का तांबा ठीक तौर से निकल सकता है तो उसे निकालने की सलाह हम दे देंगे ।

श्री भक्त बर्शन : क्या गवर्नमेंट का यह रुख है कि भारत सरकार का जिआलीजिकल सर्वे अभी केवल उसकी जांच पड़ताल करके छोड़ दे और इस काम को प्राइवेट पार्टीज या राज्य सरकारें करें ? इस दशा में हमारे देश में जो तांबे की इतनी कमी है उसकी पूति कैसे की जा सकती है ?

श्री के० डी० मालवीय : तांबा एक ऐसी धातु है जिसके बारे में केंद्रीय सरकार यह निश्चय कर चुकी है कि वह केंद्रीय सरकार के इन्तिजाम में और उसी के तत्वावधान में उत्पादन किया जायेगा ।

Shri Keshavaingar : May we know whether the exploitation of this increasing by important metal will be done only by the public sector or whether it will be allowed to the private sector ?

Shri K. D. Malaviya : As I said just now, Government is considering the question of taking over the development of new copper ore mines and in this direction they are taking certain steps.

Shri P. C. Bose : May I know whether copper is actually being mined and processed in any of the places just mentioned by the hon. Minister ?

Shri K. D. Malaviya : Yes, Sir. There is an Indian Copper Corporation in Singhbhum which is producing 7,000 tons of copper per year just now.

सेठ गोविंद बास : अभी माननीय मंत्री जी ने कहा कि मध्य प्रदेश में तीन स्थानों पर इसकी खोज की जा रही है। मैं यह जानना चाहता हूँ कि अब तक यह खोज कहां तक पहुंच गयी है और क्या इन तीनों स्थानों पर तांबा निकालने की भी कोई व्यवस्था हो रही है ?

श्री के० डी० मालवीय : जैसा कि मैंने बताया केंद्रीय सरकार उसकी खोज बंद करके क्वालिटेटिव और क्वांटिटेटिव एसटीमेंट कर देती है। इसके बाद केंद्रीय सरकार और स्टेट गवर्नमेंट मिल कर यह निश्चय करेंगी कि कितनी खुदायी की जाये, कैसे की जाये और कौन करे ?

Shri Bhagwat Jha Azad : May I know whether any assessment has been made about the potentiality of copper mines in the different places ?

Shri K. D. Malaviya : Steps are being taken and certain regions have been included for detailed investigation in the programme for 1955-56.

श्री भक्त बर्दान : अभी जिन स्थानों का नाम माननीय मंत्री जी ने बताया, मैं जानना चाहता हूँ कि उनमें से किन किन स्थानों में क्यादा और अच्छी क्वालिटी का तांबा मिलने की आशा की जा रही है ?

Shri K. D. Malaviya : On the whole, we are not very happy about the quantitative estimate of the finds of our copper mines. There are however certain areas like Khetri, Daribone in Singhbhum and another Rangpo in Sikkim which have hopeful prospects.

Shri C. R. Iyyunni : May I know whether any geological survey has been made with regard to any metal in Travancore-Cochin ?

Shri K. D. Malaviya : That is too wide a question for me to answer just now.

Mr. Speaker : No copper.

Shri D. C. Sharma : May I know if the subsequent steps which are to come after prospecting, have been clearly thought out and a proper organisation and machinery for the implementation of these things have been considered ?

Shri K. D. Malaviya : After detailed investigation or prospecting of copper mines, the immediate task is development of copper mines. From that point of view certain regions are being investigated and also certain steps are being taken. Recently we had had some foreign experts visiting this country. They have made certain recommendations. The Government is actively considering the implementation of these recommendations.

श्री के० सी० सोबिया : सागर जिले में किस किस जगह ये खाने पायी गयी हैं ?

PROSPECTING OF COAL-FIELDS

*1154. **Shri S. C. Samanta :** Will the Minister of Natural Resources and Scientific Research be pleased to state:

(a) whether it is a fact that intensive prospecting of coal-fields is being undertaken to assist in the achievement of target of coal production in the Public Sector during the Second Five Year Plan;

(b) if so, the amount of expenditure likely to be incurred on the scheme;

(c) when the work is expected to begin; and

(d) whether there are sufficient trained personnel in the country to carry on the work?

The Minister of Natural Resources (Shri K. D. Malaviya): (a) Yes, Sir.

(b) Rs. 500-600 lakhs approximately.

(c) The work started in May, 1955.

(d) Yes, Sir.

Shri S. C. Samanta : May I know how much work is proposed to be done during 1956 and 1957 ?

Shri K. D. Malaviya : The Production Ministry of the Government of India lay down a programme for the